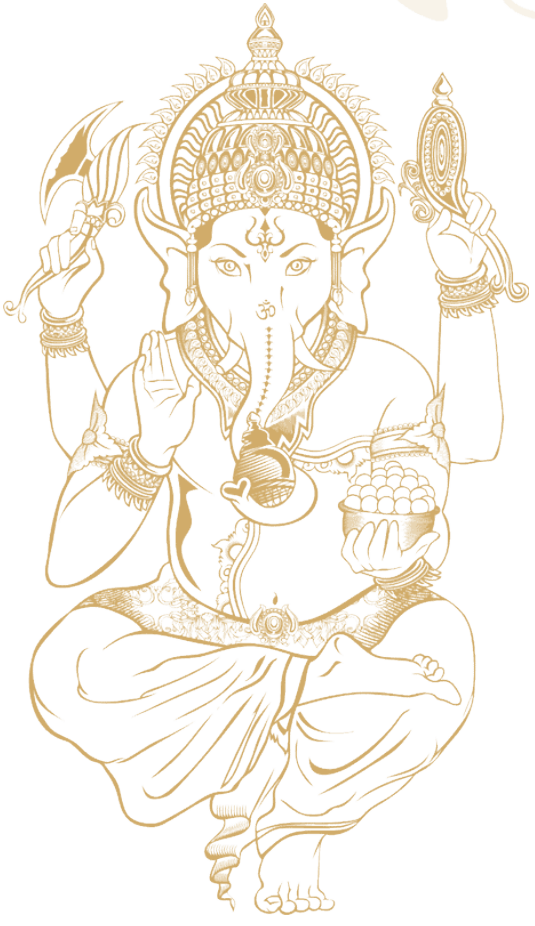

Rishu kumar

14 Oct 1996

04:10 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121849604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/10/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:10:00 घंटे**
इष्ट	25:56:10 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:20:48 घंटे
वेलान्तर	00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल	17:53:49 घंटे
सूर्योदय	05:47:31 घंटे
सूर्यास्त	17:22:35 घंटे
दिनमान	11:35:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:33:04 कन्या
लग्न के अंश	04:03:49 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	04:03:49	496:32:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			कन्या	27:33:04	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	19:47:05	13:13:33	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			कर्क	27:09:41	00:34:57	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	14:44:39	01:40:56	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			धनु	16:32:42	00:07:09	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	18:13:25	01:10:46	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	08:48:52	00:04:18	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:12:16	00:01:47	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:12:16	00:01:47	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:50:16	00:00:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:10:52	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:38:29	00:01:56	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			धनु	04:46:16	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

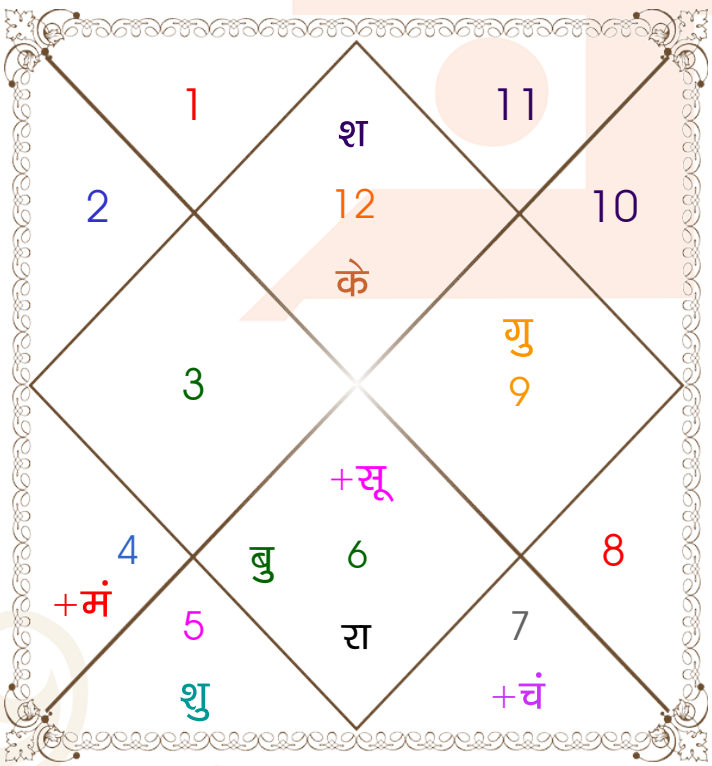

चन्द्र कुंडली

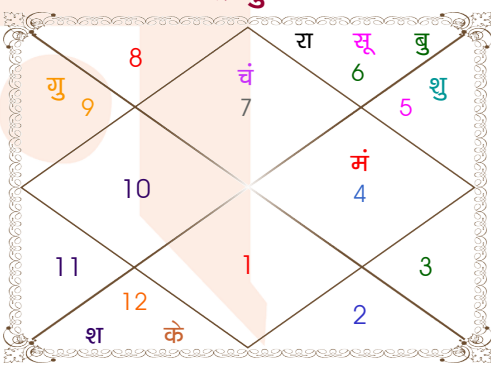

नवमांश कुंडली

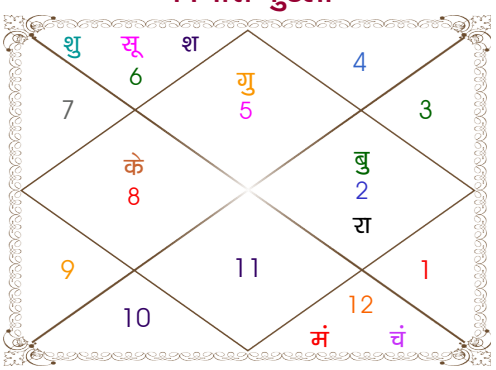

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 3 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/10/1996		28/01/1997		28/01/2013		29/01/2032		28/01/2049	
28/01/1997		28/01/2013		29/01/2032		28/01/2049		29/01/2056	
	00/00/0000	गुरु	19/03/1999	शनि	01/02/2016	बुध	27/06/2034	केतु	26/06/2049
	00/00/0000	शनि	29/09/2001	बुध	11/10/2018	केतु	24/06/2035	शुक्र	27/08/2050
	00/00/0000	बुध	05/01/2004	केतु	20/11/2019	शुक्र	24/04/2038	सूर्य	01/01/2051
	00/00/0000	केतु	11/12/2004	शुक्र	20/01/2023	सूर्य	28/02/2039	चंद्र	02/08/2051
	00/00/0000	शुक्र	12/08/2007	सूर्य	02/01/2024	चंद्र	30/07/2040	मंगल	30/12/2051
	00/00/0000	सूर्य	30/05/2008	चंद्र	02/08/2025	मंगल	27/07/2041	राहु	16/01/2053
	00/00/0000	चंद्र	29/09/2009	मंगल	11/09/2026	राहु	13/02/2044	गुरु	23/12/2053
	14/10/1996	मंगल	05/09/2010	राहु	18/07/2029	गुरु	21/05/2046	शनि	01/02/2055
मंगल	28/01/1997	राहु	28/01/2013	गुरु	29/01/2032	शनि	28/01/2049	बुध	29/01/2056

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/01/2056		29/01/2076		29/01/2082		29/01/2092		29/01/2099	
29/01/2076		29/01/2082		29/01/2092		29/01/2099		15/10/2116	
शुक्र	31/05/2059	सूर्य	18/05/2076	चंद्र	29/11/2082	मंगल	26/06/2092	राहु	12/10/2101
सूर्य	30/05/2060	चंद्र	16/11/2076	मंगल	30/06/2083	राहु	15/07/2093	गुरु	07/03/2104
चंद्र	29/01/2062	मंगल	24/03/2077	राहु	29/12/2084	गुरु	21/06/2094	शनि	12/01/2107
मंगल	31/03/2063	राहु	16/02/2078	गुरु	30/04/2086	शनि	30/07/2095	बुध	31/07/2109
राहु	30/03/2066	गुरु	05/12/2078	शनि	29/11/2087	बुध	27/07/2096	केतु	18/08/2110
गुरु	28/11/2068	शनि	17/11/2079	बुध	30/04/2089	केतु	23/12/2096	शुक्र	18/08/2113
शनि	29/01/2072	बुध	22/09/2080	केतु	29/11/2089	शुक्र	22/02/2098	सूर्य	13/07/2114
बुध	29/11/2074	केतु	28/01/2081	शुक्र	30/07/2091	सूर्य	30/06/2098	चंद्र	12/01/2116
केतु	29/01/2076	शुक्र	29/01/2082	सूर्य	29/01/2092	चंद्र	29/01/2099	मंगल	15/10/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 3 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।